ances no cadre review has taken place till this date, I request the Government that immediate cadre review be ordered for the IES officers. Besides that, there should be a time-bound promotional pay scale pattern which is there in the case of other class I services. Also, the officers who were recruited in the 1973 batch have not yet been confirmed as permanent employees. The same may also be done. Thank you, Sir.

REFERENCE TO THE EXPLOSION INSIDE HANSALAYA BUILDING ON BARAKHAMBA ROAD, NEW DELHI AND ATMOSPHERE OF INSECURITY IN THE COUNTRY

श्री शरद यादव (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन्, यहां से ठीक तीन किलोमीटर दूर हंसालय नाम की जो एक बड़ी बिल्डिंग है उसमें कल शाम को आठ बजे एक बम का एक्सप्लोजन हुआ । साढ़े आठ बजे के करीब वहीं पास में एक बारखंभा पर जाना है मैंने उससे इसके बारे में पूछा, क्योंकि पास ही एक टैक्सी स्टैण्ड है वहां से उसका ड्राईवर दौड़ता हुआ आया और कहने लगा कि साथ ही की बिल्डिंग में एक बम फूट गया है । इस पर मैंने उसके बारे मे थाने में फोन किया और पूछा कि कहीं पर बम फूटा है और वह कैसे फूटा है इसके बारे में बताइये ? साढ़े आठ बजे के करीब जो वहां ड्यूटी पर आदमी था उसने कहा कि इस तरह का कोई काम नहीं हुआ है । श्रीमन्, मेरा यह कहना है कि पूरे देश की इस समय जो हालत है यानी असुरक्षा की हालत वह इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि उसका कहना ही क्या और उसके साथ जो दिल्ली है उसमें रोज कोई न कोई बैंक डकैती, कहीं बम फूटता हैं, कहीं पर दंगे होते हैं तथा जिस दिन दंगा चल रहा था कि वहां मुक्तसर में लोग मार दिये गये तो मैंने देखा कि उसके फोटो छपे थे सारे अखबारों मे, मैंने देखा कि मां अपने बच्चो को लेकर यहां से वहां दौड़ती हुई दिखाई पड़ रही थीं और वर्किंग विमैन अपने बच्चों को दौड़ करके लेने के लिये जा रही थीं । मेरे कहने का मतलब यह है कि पूरे देश में आशंका इतनी अधि बढ़ गई है कि ऐसा लगता है कि देश में गवर्नमेंट नाम की कोई चीज नहीं बची है । देश में जाति के नाम पर सेना बन रही है धर्म और मजहब के नाम पर सेना बन रही है । कहीं शिव सेना बन गई, वहीं खालसा सेना बन गई है और कहीं कोई सेना बन गई है ।

MR. CHAIRMAN: Mr. Yadav, I gave you special permission to raise this matter...

श्री शरद यादव : श्रीमन्, मैं यही कहना चाहता हूं ।... (व्यवधान)

श्री सत्यपाल मलिक (उत्तर प्रदेश) : आपको मालूम होना चाहिये वहां पांच मिनट के अन्दर फोर्स पहुंच गई थी ।

श्री शरद यादव : मैं वही कहना चाहता हूं । अभी होम मिनिस्टर साहब का ध्यान हो रहा था । उन्होंने कहा कि इनकी यह पुलिस बढ़ गयी है, इतना इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ गया है । पूरे देश का इंतजाम तो जैसा है, वैसा ही है, लेकिन दिल्ली में वेल इक्विपड साइंटिफिक इस्टूमेंट बढ़े हैं पुलिस फोर्स बढ़ी है, व्हीकल बढ़ हैं और यह सब बढ़ जाने पर भी पुलिस पर जनता को विश्वास नहीं है । लोगों में आशंका बढ़ती जा रही है, असुरक्षा बढ़ती जा रही है और जनता का सहयोग घटता जा रहा है । सब तरह का जो सरकारी तन्त्र है, चाहे जासूसी का हो या इंटलीजेन्स का हो, सब फेल होता जा रहा है और इस फेल होने के कारण पूरे देश की जनता में एक भय व्याप्त है, शंका व्याप्त है यानी सरकार का जो फर्ज है, सरकार की जो ड्यूटी है वह ऐसा लगता है कि कालैप्स हो गई है । इसलिये महोदय मैं चाहता हूं कि यह जो बम फटा है, इस पर माननीय होम मिनिस्टर साहब का बयान होना चाहिये और इस पर छोटी सी बहस भी करानी चाहिये । यही मेरा कहना है । धन्यवाद ।

MR. CHAIRMAN: This is exactly what I wanted you to say.

श्री शरद यादव : सर, पूरी बहस होनी चाहिये ।

REFERENCE TO THE HARDSHIPS OF FISHERMEN DUE TO HEAVY SAND AT THE KASIMOD FISHING HARBOUR

PROF. B. RAMACHANDRA RAO (Andhra Pradesh): Mr. Chairman, Sir, I wish to bring to your notice that the Kasimode Fishing Harbour in the Madras Port has been silted, and it has blocked the passage. I know the Government has already been showing great concern about providing facilities to the traditional fishermen and the mechanised-boat owners.

I would like to draw the attention of this House through you to the Shipping Minister that he should take special care to see that the entrance to the Fishing Harbour is continuously monitored and that no obstruction is caused to the fishing activity. I would also like to mention that if this had happened in the main port, we would have incurred colossal losses. This particular blocking of the Fishing Harbour has caused considerable hardship to the fishermen and the mechanised-boat owners. I would like to suggest that a scientific study should be conducted and no further recurrence of such blockage of the Fishing Harbour be allowed to occur in future.

(Mr. Deputy Chairman in the Chair).

REFERENCE TO THE REPORTED DANGER TO UDAIPUR REGION DUE TO OBNOXIOUS ODOUR AROUND PESTICIDE PLANT

श्री धूलेश्वर मीणा (राजस्थान) : श्रीमन् उपसभापति महोदय, मैं इस स्पेशल मेंशन के द्वारा आपकी मार्फत सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं जो इस अखबार में छपा है --

"Pesticide and Zinc Smelter Unity may turn Udaipur into mini Bhopal."

श्रीमन् इस न्यूज से उदयपुर के आसपास की जनता में एक भय फैला हुआ है । यह स्टेट इंस्टीट्यूशन आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन ने एक सर्वे किया और उन्होंने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि उदयपुर के पास में जिंक स्मेलटर यूनिट और पेस्टीसाइड इंडिया लिमिटेड है जो शहर के हार्ट में है और उससे निकलने वाला धुंआं जो है वह पांच-छह किलोमीटर के एरिए के लोगों को प्रभावित करता है । इससे लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है । आप देखिए ; जब उदयपुर के अंदर ट्रेन में बैठे पैसेंजर आते हैं तो ट्रेन में बैठे इन लोगों का सांस लेना मुश्किल हो जाता है इतनी भारी बदबू उस पेस्टीसाइड से आती है । तो मेरा निवेदन है कि इस संबंध में वहां की जनता ने सरकार का ध्यान आकर्षित किया लेकिन उस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया । इस अखबार में एक बात यह लिखी है--

"The people constantly brought it to the notice of the Government several times, but the authorities are perhaps waiting for some major accident".

"The State administration has turned a blind eye to it."

श्रीमन् इस प्रकार की घटना पहले हम भोपाल में देख चुके हैं । उदयपुर में भी उसी प्रकार की कोई घटना न हो ; उसके लिए मैं आपकी मार्फत सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि इस ओर शीघ्र कदम उठाए जाएं । वैसे इस संबंध में कई एक लोगों ने पहले लिखा है कि यह जो सिटी में सिटी के